[**समय : २:३० घंटे**] [**अंक : ७५**]

Please check whether you have got the right question paper.

सूचना: १. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है |
२. शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |
३. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं |

प्र.१. हिन्दी साहित्य का इतिहास नामकरण और काल विभाजन की समस्या पर चर्चा कीजिए | **१५**

प्र.२. सिद्ध तथा नाथ साहित्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए | **१५**

प्र.३. भक्तिकालीन राजनीतिक सामाजिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए | **१५**

प्र.४. सूफी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों को रेखाकिंत कीजिए | **१५**

प्र.५. रीतिमुक्त काव्य धारा की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए | **१५**

प्र.६. रीतिसिध्द काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ पर प्रकाश डालिए | **१५**

प्र.७. अ) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए | **०५**

क) जैन साहित्य

ख) कृष्ण काव्य

ग) रीतिबध्द काव्य में शृंगारिकता

आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए **०५**

क) 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार कौन हैं ?

ख) रैदास किस काव्यधारा के कवि है ?

ग) गौडीय सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?

घ) "उर माखन चोर गड़े |" किसकी पंक्ति है ?

ड) 'रसिक प्रिया' के रचयिता का नाम लिखिए |

इ) प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए | **०५**

च) 'भरतेश्वर बाहुबली रास' को जैन साहित्य के रास परंपरा का पहला ग्रंथ किसने माना है?

अ)राहुल सांस्कृत्यायन आ) गणपति चन्द्र गुप्त इ)मुनि जिन विजय ई)रामचन्द्र शुक्ल

छ) निम्नलिखित में से कौन सी रचना सूरदास की नहीं है?

अ) साहित्य –लहरी आ)सूरसारावली इ) सूरसागर ई) रामचरित मानस

ज) 'जपुजी' के रचनाकार का नाम लिखिए |

अ) कबीरदास आ)गुरुनानकदेव इ) नाभादास ई)सुंदरदास

झ) 'इश्कनाम' किसकी कृति है ?

अ) आलम आ) बोधा इ)ठाकुर ई) व्दिजदेव

त) रीतिकाल के किस कवि में भक्ति और शृंगार का समन्वयात्मक योग है |

अ) सेनापति आ)घनानंद इ)भिखारीदास ई)जनकवि

****